श्याम सूरत तेरी | By Aakash Saware

सांवली सलोनी श्याम सूरत ने तेरी
कर दिया सारा जग तेरा दीवाना
टेढ़ी छटाएं बांकी अदाएं
उस पर तेरा धीरे से मुस्काना

गजब है तेरा मुकुट ओ बाबा
तन केसरिया बागा है साजा
अँखियाँ तेरी हैं कजरारी
होंठों की तो बात निराली
चंवर है डुले तेरे सर पर
फूलों की शान निराली

दरबारों में द्वार निराला
सबसे सुन्दर द्वार तुम्हारा
तोरण द्वार की बात निराली
सुन्दर सुन्दर गलियां हैं सारी
शिखर है ध्वजा लहराए तेरी
रौनक है श्याम निराली

छप्पन तेरे भोग निराले
पान सुपारी तुमको भावे
लड्डू चूरमा प्रेम से खावे
इत्र सुगन्धित मन महकावे
स्वीकार करो मेरा भी प्रभु
प्रेम से जो भोग लाये

जो भी आएं द्वार तुम्हारे
पूरे करते काम हो सारे
बिगड़ी बाबा सबकी बनाते
सोये भाग्य बाबा पल में जगाते
है हाथ तेरे जो मोरछड़ी
दुखड़े मिटाये वो तो सारे
तेरे बिना श्याम बाबा मैं हूँ अधूरा
तुम संग मेरा पूरा है संसार
तेरी दया से ही मेरे बाबा
चलता है गीता का ये परिवार

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%b8%e0%a5%82%e0%a4%b0%e0%a4%a4-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-by-aakash-saware/